
Shri Vadiraja Stutih

श्रीवादिराजस्तुतिः

Document Information



Text title : vAdirAjastutiH

File name : vAdirAjastutiH.itx

Category : deities_misc, gurudev

Location : doc_deities_misc

Author : vedavedyatIrtha

Latest update : December 30, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 31, 2020

sanskritdocuments.org



श्रीवादिराजस्तुतिः



चन्द्रार्ककोटिलावण्यलक्ष्मीशकरुणालयम् ।
वन्दिताङ्घ्रियुगं सद्भिर्वादिराजं नतोऽस्म्यहम् ॥ १ ॥

इन्द्रादिदेवताराध्यमध्वंशजमादरात् ।
वन्दिताङ्घ्रियुगं सद्भिर्वादिराजं नतोऽस्म्यहम् ॥ २ ॥

श्रीहयास्यार्चनरतं साधुवेदार्थबोधकम् ।
वन्दिताङ्घ्रियुगं सद्भिर्वादिराजं नतोऽस्म्यहम् ॥ ३ ॥

दुर्वादिवमत्तविध्वंसकण्ठीरवमहर्निशम् ।
वन्दिताङ्घ्रियुगं सद्भिर्वादिराजं नतोऽस्म्यहम् ॥ ४ ॥

सर्वकामप्रदं श्रीमद्विजेन्द्रकुलशेखरम् ।
वन्दिताङ्घ्रियुगं सद्भिर्वादिराजं नतोऽस्म्यहम् ॥ ५ ॥

मन्त्रक्रमविचारज्ञं तन्त्रशास्त्रप्रवर्तकम् ।
वन्दिताङ्घ्रियुगं सद्भिर्वादिराजं नतोऽस्म्यहम् ॥ ६ ॥

ज्ञानादिगुणसम्पन्नमशेषाघहरं विभुम् ।
वन्दिताङ्घ्रियुगं सद्भिर्वादिराजं नतोऽस्म्यहम् ॥ ७ ॥

प्रदक्षिणीकृतभुवं स्वक्षमालाधरं विभुम् ।
वन्दिताङ्घ्रियुगं सद्भिर्वादिराजं नतोऽस्म्यहम् ॥ ८ ॥

विचित्रमुकुटोपेतमचिन्त्याद्भुतदर्शनम् ।
वन्दिताङ्घ्रियुगं सद्भिर्वादिराजं नतोऽस्म्यहम् ॥ ९ ॥

पुरतो वासुदेवस्य निवसन्तं महाद्युतिम् ।
वन्दिताङ्घ्रियुगं सद्भिर्वादिराजं नतोऽस्म्यहम् ॥ १० ॥

॥ इति श्रीवेदवेद्यतीर्थकृता श्रीवादिराजगुरुस्तुतिः समाप्ता ॥



Shri Vadiraja Stutih

pdf was typeset on December 31, 2020



Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

